पाठ-14

मैं सबसे छोटी होऊँ

– सुमित्रानंदन पंत

मैं सबसे छोटी होऊँ,
तेरी गोदी में सोऊँ,
तेरा अंचल पकड़-पकड़कर
फिरूँ सदा माँ! तेरे साथ,
कभी न छोड़ूँ तेरा हाथ!

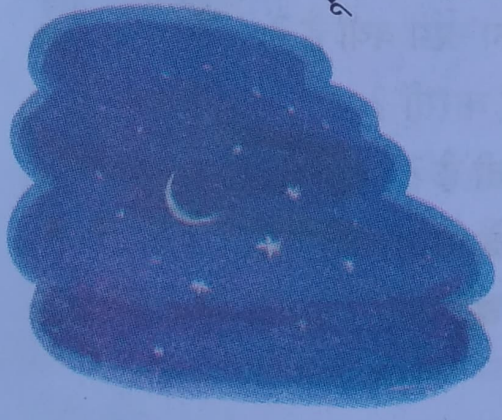

बड़ा बनाकर पहले हमको
तू पीछे छलती है मात!
हाथ पकड़ फिर सदा हमारे
साथ नहीं फिरती दिन-रात!

अपने कर से खिला, धुला मुख,
धूल पोंछ, सज्जित कर गात,
थमा खिलौने, नहीं सुनाती
हमें सुखद परियों की बात!

ऐसी बड़ी न होऊँ मैं,
तेरा स्नेह न खोऊँ मैं,
तेरे अंचल की छाया में
छिपी रहूँ निस्पृह, निर्भय,
कहूँ - दिखा दे चंद्रोदय!

अभ्यास-माला

1. आओ, 'मैं सबसे छोटी होऊँ' कविता का हाव-भाव के साथ वाचन करें।

2. आओ, बताएँ :

(क) 'मैं सबसे छोटी होऊँ' कविता के जरिए किस इच्छा की बात की गई है ?

(ख) बच्ची किसका अंचल पकड़कर घूमना चाहती है ?

(ग) माँ हमारे लिए क्या-क्या करती हैं ?

3. पूर्ण वाक्य में जवाब दो :

(क) 'मैं सबसे छोटी होऊँ' कविता के कवि का नाम क्या है ?

(ख) बड़े होने पर माँ हमारे लिए क्या-क्या नहीं करतीं ?

(ग) बच्ची क्यों सबसे छोटी बनकर रहना चाहती है ?

(घ) बच्ची को क्यों अनुभव होता है कि माँ उसके साथ छल करती हैं ?

4. 'मैं सबसे छोटी होऊँ' कविता में वर्णित बातों को अपने शब्दों में बताओ।

5. खाली जगहों की पूर्ति करो :

'मैं..... छोटी होऊँ
तेरी ..... में सोऊँ,
तेरा अंचल .....
फिरूँ..... ! तेरे साथ,
कभी न छोड़ूँ..... !

6. आओ, सही शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा करें :

(क) मैं सबसे ..... होऊँ। (छोटी/छोटा)

(ख) नदी ..... है। (बहता/बहती)

(ग) ..... आराम नहीं चाहता। (में/मैं)

(घ) यह ..... देश है। (हमारा/हमारे)

7. **आओ, एक शब्द में बताएँ :**

जो कविता लिखती है	=	कवयित्री	जो सजाया हुआ हो	=	
जिसे स्पृहा न हो	=		जिसे भय न हो	=	

8. **इस कविता को पढ़ने के बाद एक बच्ची और उसकी माँ के चित्र तुम्हारे मन में उभरते हैं। वह बच्ची और क्या-क्या कहती होगी? क्या-क्या करती होगी? कल्पना करके एक कहानी बनाओ।**

9. **आओ, एकवचन और बहुवचन के शब्दों को पढ़ें, जानें और लिखें :**

लड़का	लड़के	नारी	नारियाँ
बच्चा	....	परी	....
छोटा	छोटे	छात्रा	छात्राएँ
खिलौना	....	माता	....

10. **नीचे एक कविता की प्रथम दो पंक्तियाँ दी गई हैं। तुम इसके आधार पर कविता को और आगे बढ़ाओ और शीर्षक भी दो :**

जग में सबसे न्यारी है,
माँ मेरी सबसे प्यारी है।

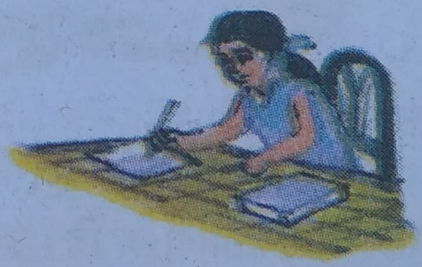

....

....

11. **दोनों शब्दों को जोड़कर नए शब्द बनाओ :**

सूर्य → अस्त = सूर्यास्त
सूर्य → उदय = -----

परम → अणु = -----
परम → आत्मा = -----

विद्या → अर्थी = -----
विद्या → आलय = -----

12. **आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :**

अंचल	=	आँचल	कर	=	हाथ
मात	=	माता	निस्पृह	=	बिना लोभ के
गात	=	शरीर	निर्भय	=	निडर